ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-IV*MAY-2014
Periodic Research

परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्तक्रिया का बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर प्रभाव का अध्ययन

रश्मि वर्मा
सहायक प्राध्यापक
विभाग गृहविज्ञान
शा.कन्या महाविद्यालय नीमच,
मध्यप्रदेश

सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य मे इन्दौर नगर के विभिन्न आय वर्ग के परिवारों के बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले कुल वार्षिक व्यय तुलनात्मक अध्ययन किया गयाहै । उपरोक्त उद्देश्य पूर्ति हेतु कुल 971 निदर्श नई कईयों से सूचना संकलित की गई । शोध कार्य के परिणामों से ज्ञात होता है कि परिवार की आय एवंमाता के व्यवसाय के मध्य अन्तः क्रिया के परिणाम स्वरूप बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला व्यय प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। परिवार की आय के बढने के साथ–साथ बच्चों की शिक्षा ओर परिधान पर किया जाने वाला व्यय क्रमशः बढता है लेकिन प्रतिशत व्यय क्रमशः कम होता जाता है । परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्त क्रिया का प्रभाव भी सार्थक होता है ।

मुख्य शब्द : परिवार की आय ,माता का व्यवसाय,शिक्षा पर व्यय , परिधान पर व्यय , परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्तर्क्रिया ।

प्रस्तावना

देश को खुश हाल और विकसित बनाने के लिए जिस प्रकार एक स्वस्थसमाज की आवश्यकता होती है उसी प्रकार एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ व खुशहाल परिवारों की आवश्यकता होती है । जिसका प्रत्येक सदस्य शारीरिक एव मानसिक रूप से स्वस्थ हो । परिवार के सभी सदस्य शारीरिक एवं मानसिक रूप से तभी स्वस्थ हो सकेगें जब उनकी आधार भूत आवश्यकताओं को पूरा किया जायेगा । परिवार के सदस्यों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रत्येक परिवार को पारिवारीक साधनों जैसै समय, शक्ति एवं धन की आवश्यकता होती है । और ये पारिवारीक साधन प्रत्येक परिवार के पास सीमित मात्रा मे होते है । Mann(1976) के अनुसार परिवार मे व्यवस्थापन का मुख्य उद्देश्य परिवार के पास उपलब्ध विभिन्न पारिवारिक साधनों की सहायता से परिवार के अधिकतम लक्ष्यों को प्राप्त करना है । परिवार के पास उपलब्ध विभिन्न पारिवारिक साधनों मे धन बहुत ही महत्वपूर्ण साधन है । इसकी सहायता से प्रत्येक परिवार अपने सदस्यों की अधिकतम आवश्यकताओं को पूरा करने की कोशिश करता है । ताकि परिवार के सभी सदस्य खुशहाल व स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें । बच्चे परिवार की सबसे छोटी ईकाई होते है । बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए आवश्यक है कि बच्चों की भी सभी आधारभूत आवश्यकताओं को पूरा किया जाये भोजन , परिधान एवं आवास बच्चों की भी आधारभूत मूल आवश्यकताएॅ होती है। समय मे परिवर्तन के साथ–साथ परिवार की मूल आवश्यकताओं म तो बहुत अधिक परिवर्तन नही आया है , लेकिन कुछ समय पहले जिन आवश्यकताओं को विलासितापूर्ण या आरामदायक आवश्यकताओं के अन्तर्गत रखा जाता था इनके महत्व के क्रम मे बहुत अधिक परिवर्तन आया है । शिक्षा को पहले विलासिता पूर्ण आवश्यकताओं के अन्तर्गत रखा जाता था । लेकिन वर्तमान समय मे भोजन, परिधान एवं आवास के पश्चात् शिक्षा प्रत्येक परिवार की प्राथमिक आवश्यकता बन गई । अतः हम कह सकतें है कि शिक्षा बच्चों के भविष्य एवं व्यक्तित्व का निर्माण करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । शिक्षा जहॉ बच्चों के सम्पूर्ण विकास करती है अर्थात बच्चों का बौद्धिक एवं सामाजिक विकास, लिखने–पढने एवं बोलने की योग्यता का विकास एवं बच्चों मे सकारात्मक सोच का विकास करती है उसी के साथ–साथ बच्चों के परिधान बच्चों को विभिन्न आयु समूहों मे, परिवार में, विद्यालय मे एवं समाज में बच्चों की उपस्थिति को ग्राह्यता (acceptability) प्रदान करते है ।

प्रस्तुत शोध कार्य मे इन्दौर नगर के विभिन्न आय वर्ग के परिवारों के बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले कुल वार्षिक व्यय तुलनात्मक अध्ययन किया गया है । उपरोक्त उद्देश्य पूर्ति हेतु कुल 971 निदर्शन ईकाईयों से सूचना संकलित की गई । शोध कार्य के परिणामों से ज्ञात होता है कि परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्तःर्क्रिया के परिणामस्वरूप बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला व्यय प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है । परिवार की आय के बढने के साथ –साथ बच्चों की शिक्षा ओर परिधान पर किया जाने वाला व्यय क्रमशः बढता है लेकिन प्रतिशत व्यय क्रमशः कम होता जाता है । परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्तर्क्रिया का प्रभाव भी सार्थक होता है ।

अध्ययन के उद्देश्य

बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर परिवार की आय एवं माता का व्यवसाय एवं इनके मध्य अन्तर्क्रिया के प्रभाव का अध्ययन करना ।

अध्ययन से सम्बन्धित शोध कार्यो की विवेचना

Britton (1974), Peterson (1974) Jean wise (1980) ,Dardis derrick & lehfild (1981) एवं Viljoen (2000) के द्वारा किये गये शोध कार्य के परिणामों से स्पष्ट होता है कि बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर परिवार की आय , परिवार की संरचना ,परिवार का सामाजिक स्तर ,पारिवारीक जीवन चक्र अर्थात परिवार के सदस्यों की उम्र एवं परिवार के रहने का स्थान ये सभी ऐसे महत्वपूर्ण कारक है जो परिवार के सदस्यों विषेशकर बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले व्यय को सार्थक रूप से प्रभावित करतें है । Winakor (1989) ,Murli & rodge (1991),Sue middeton ,karl ashworth (1997),Harding & Parcival (1999), Lino (1999), Valenzuela (1999),Hodes, curry (1982) ,Wagner & hanna (1983) ,Frisbee(1985), Norum (1989), Jacob (1990), Vatsala .r (1991) ,Norum (1992) ,Zhang & Norton (1995) के द्वारा किये गये शोध के परिणामों से ज्ञात होता है कि बच्चों की आयु , बच्चों के लिंग ,परिवार की आय , माता का व्यवसाय आदि ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं जो परिवार द्वारा किये जाने वाले व्यय को प्रत्यक्ष व सार्थक रूप से प्रभावित करतें है । Sunder (1999), Annual report of family income & expenditure survey (2003), National statistical coordition board (2002) , National statistical coordition board (2003) , National statistical officce (2001) , Archy Kirkwood ,jonothan brudshaw (2003) , Down (2003) , Merle paats (2003) आप सभी के द्वारा पारिवारीक बजट का तुलनात्मक अध्ययन किया गया । शोध के परिणामों से ज्ञात होता है कि विभिन्न आय वर्ग परिवारों द्वारा बच्चों के परिधान की अपेक्षा बच्चों की शिक्षा पर तुलनात्मक रूप से अधिक व्यय किया जाता है ।

निष्कर्ष

अध्ययन से सम्बन्धित शोध कार्यो की विवेचना से स्पष्ट होता है कि बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय का प्रत्यक्ष व सार्थक प्रभाव पडता है । परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय के मध्य अन्तःक्रिया के परिणामस्वरूप जैसे – जैसे परिवार की आय बढती है शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला कुल व्यय बढता है जबकि प्रतिशत व्यय क्रमशः कम होता जाता है ।

अध्ययन की परिकल्पना

बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय एवं इनके मध्य अन्तर्क्रिया का प्रभाव सार्थक नही होगा ।

अध्ययन के चर–अ – स्वतंत्र चर :–परिवार की आय एवं माता का व्यवसाय

परिवार की आय

प्रथम आय वर्ग –I- up to 5000 Rs /per month
द्वितीय आय वर्ग –II-5001 to 10,000 Rs /per month
तृतीय आय वर्ग –III- 10,001 to 15000 Rs /per month
चतुर्थ आय वर्ग –IV- 15001 to 20,000 Rs /per month
पंचम आय वर्ग –V- Rs 20,001 & above

ब आश्रित चर

बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले कुल व्यय को आश्रित चर के रूप मे उपयोग किया गया ।

निदर्शन ईकाई

प्रस्तुत शोध कार्य मे कक्षा पहली से कक्षा बारहवी तक के बच्चों के अभिभावकों का चयन निदर्शन इकाई के रूप मे किया गया ।

निदर्शन चुनाव की विधि

प्रस्तुत शोध कार्य मे तथ्य संकलन के उद्देदश्य की प्राप्ति हेतु उद्देश्यपूर्ण निदर्शन , वर्गीकृत निदर्शन एवं दैव निदर्शन विधि का उपयोग किया गया ।

निदर्शन का आकार

प्रस्तुत शोध कार्य मे 971 निदर्शन इकाईयों से सूचना संकलित की गई ।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य मे तथ्य संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा स्वयं ही साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया । साक्षात्कार अनुसूची को सुविधा की दृष्टि से तीन भागों मे वर्गीकृत किया गया । साक्षात्कार अनुसूची के प्रथम भाग मे परिवार की सामान्य जानकारी एकत्र करने के उद्देदश्य से सामान्य प्रश्नों को सम्मिलित किया गया जैसै – परिवार की आय ,प्रकार ,गृहणी का व्यवसाय एवं परिवार मे उपस्थित सदस्यों की संख्या विशेषकर बच्चों की संख्या आदि । अनुसूची के द्वितीय भाग मे शिक्षा एवं परिधान के वार्षिक बजट पत्रक का निर्माण किया गया । उपरोक्त शिक्षा एवं परिधान बजट पत्रक में बच्चों की शिक्षा एवं परिधान मद् के अन्तर्गत विभिन्न उपमदों पर किये जाने वाले वार्षिक व्यय के बारे मे जानकारी प्राप्त की गई ।

तथ्य संकलन

निदर्शन ईकाईयों के चुनाव के पश्चात् बच्चों के अभिभावकों से सम्पर्क स्थापित किया गया । अभिभावकों से मिलकर उन्हे अध्ययन के लक्ष्य से अवगत कराने के पश्चात् उत्तरदाता अभिभावकों से सही जानकारी लेकर तथ्य संकलन मे सहयोग करने का अनुरोध किया ।

उत्तरदाता अभिभावकों की सुविधा के अनुसार उनसे एक या दो बार मिलकर अनुसूची को पूर्ण रूप से भरा गया ।

सांख्यिकीय तकनीक –सर्वेक्षण से प्राप्त तथ्यों को सांख्यिकीय रूप से विश्लेषित करने के लिए तथा संकलित तथ्यों को निर्वचन की दृष्टि से उपयोगी बनाने के लिए औसत , प्रतिशत , 2X2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाईन एनोवा टेस्ट का उपयोग किया गया ।

कार्यकारी परिभाषाएँ

(1) बच्चों की शिक्षा पर किये जाने वाला कुल वार्षिक व्यय बच्चों की शिक्षा पर किये जाने कुल वार्षिक व्यय से शोधकर्ता का आशय बच्चों की शिक्षा की विभिन्न उपमदों जैसे स्कूल फीस ,ट्यूशन फीस ,स्टेशनरी , वाहन ,यूनिफार्म ,जूते ,स्वेटर ,टाई – बेल्ट एवं स्कूल बैग पर किये जाने वाले कुल वार्शिक व्यय से हैं ।

(2) बच्चों के परिधान पर किये जाने वाला कुल वार्षिक व्यय –बच्चों के परिधान पर किये जाने कुल वार्षिक व्यय से शोधकर्ता का आशय बच्चों के परिधान की विभिन्न उपमदों जैसे घर पर पहनने वाले परिधान ,घर के बाहर पहनने वाले परिधान ,अन्तःवस्त्र ,परिधान की देखरेख ,सिलाई ,जूतें एवं बरसाती आदि पर किये जाने वाले कुल वार्षिक व्यय से हैं ।

Source of variance	S.S	df	M.S.S	F-value
Working status of mother (A)	1039760.938	1	1039760.938	4.321*
Family income (B)	177393469.8	4	44348367.456	184.299***
AxB	10585896.31	4	2646474.080	10.998***
Error	231248074.2	961	240632.752	
Total	4336562288	971		

तथ्यों का सांख्यिकि विश्लेषण

तालिका कमाकं (01)

बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय के लिए 2X2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाईन एनोवा

Source of variance	S.S	df	M.S.S	F-value
Working status of mother (A)	824000.956	1	824000.956	0.109
Family income (B)	865900431.7	4	216475107.9	28.765***
AxB	95249615.011	4	23812403.75	3.164*
Error	7232157536	961	7525658.206	
Total	56293008779	971		

*0.001 के स्तर पर सार्थक **0.05 के स्तर पर सार्थक

तालिका कमाकं 01 से विदित होता है कि बच्चों की शिक्षा के व्यय पर माता के व्यवसाय चर का F मान 0.109 है जो कि सार्थकता स्तर पर सार्थक नही है । अतः स्पष्ट होता है कि कार्यकारी एवं घरेलु माताओं द्वारा बच्चों की शिक्षा पर किये जाने वाले कुल व्यय के मध्यमानों मे सार्थक अन्तर नही है । स्पष्ट है कि बच्चों की शिक्षा के व्यय पर माता के व्यवसाय का सार्थक प्रभाव नही पडता है । इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना , बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय पर माता के व्यवसाय का कोई सार्थक प्रभाव नही होगा , स्वीकृत होती है ।

तालिका कमाकं 01 से विदित होता है कि बच्चों की शिक्षा के व्यय पर परिवार की आय चर का F मान 28.765 है यह 0.001 स्तर पर 4/961 df पर सार्थक है । अतः स्पष्ट होता है कि विभिन्न आय वर्ग के परिवार बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय के औसत मध्यमानों मे सार्थक अन्तर है स्पष्ट है कि बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय पर परिवार की आय सार्थक प्रभाव डालती है । इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना , परिवार की आय का बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय पर कोई सार्थक प्रभाव नही होगा , अस्वीकृत होती है । विभिन्न आय वर्ग परिवारों द्वारा बच्चों की शिक्षा के कुल औसत वार्षिक व्यय के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर है ।

तालिका कमाकं 01 से विदित होता है कि बच्चों की शिक्षा के व्यय पर माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय के मध्य अन्तःक्रिया का F मान 3.164 है जो 0.05 के स्तर पर 4/961df पर सार्थक है । अतः स्पष्ट होता है कि माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय के मध्य अन्तःक्रिया के कारण बच्चों की शिक्षा पर किया जाने वाला कुल व्यय सार्थक रूप से प्रभावित होता है । इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना ,बच्चों की शिक्षा के कुल व्यय पर माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय के बीच अन्तःक्रिया का कोई सार्थक प्रभाव मही होगा , अस्वीकृत होती है ।

तालिका कमाकं (02)

बच्चों के परिधान के कुल व्यय के लिए 2X2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाईन एनोवा

*0.001 के स्तर पर सार्थक **0.05 के स्तर पर सार्थक

तालिका कमाकं 02 से विदित होता है कि बच्चों के परिधान के व्यय पर माता के व्यवसाय चर का F मान 4.321 है यह 0.05 के स्तर पर 1/961 df पर सार्थक है । अतः स्पष्ट होता है कि कार्यकारी एवं घरेलु माताओं द्वारा बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले व्यय के औसत मध्यमानों मे सार्थक अन्तर है । कार्यकारी माताओं के द्वारा बच्चों के परिधान पर रू 2081.00 औसत वार्षिक व्यय किया जाता है , जबकि घरेलु माताओं के द्वारा बच्चों के परिधान पर रू 1954.59 औसत वार्षिक व्यय किया जाता है । इस आधार पर हम कह सकते है कि बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले व्यय पर माता के व्यवसाय का सार्थक प्रभाव पडता है । अर्थात घरेलु माताओं की अपेक्षा कार्यकारी माताओं के द्वारा बच्चों के परिधान पर तुलनात्मक रूप से अधिक व्यय किया जाता है । इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना , बच्चों के परिधान के कुल व्यय पर माता के व्यवसाय का कोई सार्थक प्रभाव नही होगा , अस्वीकृत होती है ।

तालिका क्रमाकं 02 से विदित होता है कि बच्चों के परिधान के व्यय पर परिवार की आय चर के प्रभाव का F मान 184.249 है यह 0.001के स्तर पर4/961 df पर सार्थक है । अतः स्पष्ट होता है कि विभिन्न आय वर्ग परिवारों द्वारा बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले व्यय के औसत मध्यमानों मे सार्थक अन्तर है । स्पष्ट है कि बच्चों के परिधान के व्यय को परिवार की आय सार्थक रूप से प्रभावित करती है इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना ,बच्चों के परिधान के कुल व्यय पर परिवार की आय का कोई सार्थक प्रभाव मही होगा ,अस्वीकृत होती है । विभिन्न आय वर्ग के परिवारों द्वारा बच्चों के परिधान पर किये जाने वाले कुल औसत वार्षिक व्यय के मध्यमानों मे सार्थक अन्तर है ।

तालिका क्रमाकं 02 से विदित होता है कि बच्चों के परिधान के व्यय पर माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय चर के मध्य अन्तःक्रिया के प्रभाव का F मान 10.998 है यह 0.001के स्तर पर 4/961 df पर सार्थक है । अतः स्पष्ट होता है कि माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय के मध्य अन्तःक्रिया के कारण बच्चों के परिधान पर किया जाने वाला व्यय सार्थक रूप से प्रभावित होता है । इसके सन्दर्भ मे शून्य परिकल्पना ,बच्चों के परिधान के कुल व्यय पर माता के व्यवसाय एवं परिवार की आय के बीच अन्तःक्रिया का कोई सार्थक प्रभाव नही होगा , अस्वीकृत होती है ।

चित्र क्रमांक 01

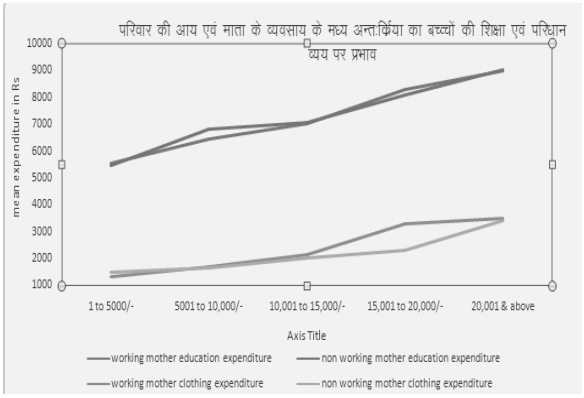

रेखाचित्र क्रमांक 01 के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जैसे – जैसे परिवार की आय बढती है परिवारों द्वारा बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला व्यय भी क्रमशः बढता जाता है । परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय ये दोनो ऐसे महत्वपूर्ण कारक /चर हैं जो स्वतत्रं होने पर तो शिक्षा और परिधान व्यय को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते है । अर्थात आय के बढने के साथ व्यय क्रमशः बढता है एवं कार्यकारी माताओं के द्वारा शिक्षा और परिधान पर तुलनात्मक रूप से अधिक व्यय किया जाता है । लेकिन जब बच्चों की शिक्षा एवं परिधान व्यय पर इन दोनो चरों के मध्य अनतःक्रिया की जाती है तो उसके परिणामों ज्ञात होता है कि कार्यकारी माता घरेलु माताओं की अपेक्षा बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर तुलनात्मक रूप से अधिक व्यय करती है । यह अन्तर द्वितीय एवं चतुर्थ आय वर्ग के परिवारों मे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है । इसी के साथ साथ यह भी स्पष्ट होता है कि विभिन्न आय वर्ग परिवारों द्वारा बच्चों के परिधान की अपेक्षा बच्चों की शिक्षा पर अधिक व्यय करतें है ।

तालिका क्रमांक 03
विभिन्न आय वर्ग के परिवारों द्वारा बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किये जाने वाले कुल वार्षिक व्यय का तुलनात्मक अध्ययन

विभिन्न आय वर्ग के परिवारों की आय	औसत बार्षिक आय रू	शिक्षा औसत वार्षिक व्यय रू	शिक्षा औसत वार्षिक व्यय प्रतिशत	परिधान औसत वार्षिक व्यय रू	परिधान औसत वार्षिक व्यय प्रतिशत
प्रथम आय वर्ग	59865.312	5449.54	9.10%	1495.43	2.4%
द्वितीय आय वर्ग	112449.996	6465.38	5.74%	1698.837	1.51%
तृतीय आय वर्ग	159825.36	7026.65	4.39%	2034.44	1.20%
चतुर्थ आय वर्ग	205545.84	8212.95	3.99%	2396.73	1.16%
पंचम आय वर्ग	263333.28	8980.02	3.41%	3395.00	1.08%

तालिका क्र 03 के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि परिवार की आय के बढने के साथ साथ बच्चो की शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला कुल औसत वार्षिक व्यय क्रमशः बढता है जबकि प्रतिशत व्यय क्रमशः कम होता है । इसी प्रकार विभिन्न आय वर्ग परिवार बच्चों के परिधान की अपेक्षा बच्चों की शिक्षा पर तुलनात्मक रूप से अधिक व्यय करते है ।

निष्कर्ष विभिन्न आय वर्ग के परिवारों मे परिवार की आय के बढने के साथ – साथ बच्चों की शिक्षा एवं परिधान पर किया जाने वाला कुल औसत वार्षिक व्यय क्रमशः बढता जाता है । विभिन्न आय वर्ग परिवारों द्वारा बच्चों के परिधान की अपेक्षा शिक्षा पर तुलनात्मक रूप से अधिक कुल औसत वार्षिक व्यय किया जाता है । उपरोक्त परिणाम एवं पूर्व मे विभिन्न शोधकर्ताओं द्वारा किये गये शोध के परिणामों (जिसका विवरण प्रथम पृष्ठ पर अध्ययन से सम्बन्धित शोध कार्यो की विवेचना शीर्षक के अन्तर्गत किया गया है।) मे समानता पाई गई है जिसके आधार पर निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि परिवार की आय एवं माता के व्यवसाय ऐसे महत्वपूर्ण कारक है जो परिवार द्वारा किये जाने वाले व्यय पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालते है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Annual report of family income & expenditure survey (2003)- “family expenditure patter : 2000” encome & employment statistics division national statistics office republic of PHLIPPINES . web – http://www annual report family expenditure . rephi./

2. Archy Kirkwood ,jonothan brudshaw (2003) “result from the family budget” web – http://www result family budget.usa.//
3. Britton (1974)” clothing quantity budget” family economics review ,page no 3 to 7.
4. Dardis derrick &lehfild (1981) “ clothing demand in united state :a cross sectional analysis” home economics research journal -10 ,page no 212 to 222.
5. Down (2003), “ family spending :a report on 1999 to 2000 family expenditure survey” national statistical publication web – http://www childsupportanalysis.com./
6. Frisbee(1985)” economic analysis of household clothing expenditure” Canadian home economics journal -35,page no 201-206.
7. Harding & Parcival (1999) “cost of children : the privet costs of children in 1993-1994” family matters journal 1999 , Australian institute of family , page no 1-10 , web – http://www aisf.gov.au./.
8. Houdes, curry (1982) “clothing and race : an examination of the effects of race on consumption dissertation abstracts international vol-43 page no 09.
9. Jacob (1990) “ pattern of expenditure on clothing apparel” clothing review vol-25, page no – 95.
10. Lino (1999) “ expenditure on children by families” annual report U.S. department agriculture center for nutrition policy and promotion miscellaneous publication , page no 1528- 2000 . web – http://www nfpainc.org./
11. Mun .c.tsang & somri kidchanadanish (1992) “ private resource and the quality of primary education in Thailand” international journal of education research , vol -17, page no 180-198.
12. Murli & rodge (1991) “income and expenditure pattern of selected rural families” maharastra journal of extension education ,vol-2, page no 115.
13. Merle paats (2003) “the expenditure pre-household member increased in most expenditure group” stastistical office of Estonia.
14. Norum (1989) “economic analysis of quarterly household expenditure on apparel”home economics research journal ,vol-17, no-3, page no 228.
15. Norum (1992) “ a reassessment of age & gender specification on household clothing expenditure: development of age category guideline for determining clothing allotments” cloting and textile research journal 11(1) page no 45-54.
16. National statistical officce (2001) “household expenditure” web – http://www nationalstatististicsoffices.Tokyo.//
17. National statistical coordition board (2002) “ fact sheet average family income and expenditure by income class” web – http://www nationalstatististicsoffices.mindanao.//
18. National statistical coordition board(2003)“family expenditure” web – http://www nationalstatististicsboard.phi/aue./.
19. Peterson (1974) “payment for foster parents: cast benefit approach” journal of the national association of social worker ,vol-19 (4) , july 1974.
20. Sundra j. Huston (1995) “ the household education expenditure ratio: exploring the importance of education” copyright 1995 ,journal of family economic and resource management blennial division aafcs. web – http://www householdeducationexpenditure/aafcs.//
21. Sunder (1999) “ budget standard the cost of children” family matters journal 1999- Australian economic review , vol-53 winter -1999 . web – http://www aisf.gov.au./
22. Sue middeton ,karl ashworth (1997) “ expenditure on children in great Britain” social policy research journal ,118 july .
23. Viljoen (2000) “factor that influence household and individual clothing expenditure :a review of research related literature” journal of family ecology and consumer science . web – http://www aisf. Gov.au./
24. Vatsala .r (1991) “clothing expenditure in Andhra Pradesh” part 1-2, textile dyer & printer, page no 29-33.
25. Valenzuela (1999) “ the cost of children in Australian household :new estimation from the A.B.C household expenditure survey”(a guide to calculating the cost of children) family matters journal 53 winter 1999, page no 1-10.
26. Wagner &hanna (1983) “the effectiveness of family life cycle variables in consumer expenditure research” journal of consumer research -10, page no 281-291.
27. Winakor (1989) “ the decline in expenditure for clothing relative to total consumer spending” home economics research journal -17, no -3, page no 194, march 1989.
28. Zhang & Norton (1995) “ family member expenditure for clothing categories” family & consumer research journal vol-23,page no-3.